

असाधाररग

EXTRAORDINARY

संश (1-क्षण 3---वप-कण्ड (ii)

PART 11—Section 3—Sub-section (ii)

PUBLISHED BY AUTHORITY

संo 26] नई दिल्लो, सोपबार, जनवरी 15, 1979/पीत्र 25, 1900 No. 26] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 15, 1979/PAUSA 25, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या दी आती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्थ ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate commitation.

उच्योग मंत्रालय

(ऑक्पोरिंगक विकास विभाग)

आरंश

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1979

का. आ. 28(अ).—कंन्द्रीय सरकार नं, भारत सरकार क उद्यांग मंत्रालय (ऑद्योंगिक विकास विभाग) के आदृंश सं. का. आ. 21(स्था.), तारीख़ 16 जनवरी, 1978 (जिसे इसमें इसके परचाल् उक्त आदृंश कहा गया हैं) द्वारा, उद्गोग (विकास ऑर विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषित किया था कि 15 दिसम्बर, 1977 से पूर्व की गई ऑर राजपत्र में उक्त आदृंश के प्रकाशन से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऑप बेंकों और वित्तीय संस्थाओं से सम्बद्ध सभी संविद्याओं, सम्पत्ति के हरतान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचादों, स्थायी आदृशों या अन्य लिखानों का. जिनका बंगाल कीमकल एण्ड फार्मास्युटिकल वक्स लि., कलकत्ता नामक ऑनुयोगिक उपक्रम

एक पक्षकार हैं या जो उक्त आँड्योंगिक उपक्रम को लागू हों. प्रवर्तन राजपन्न में जक्त आदेश के प्रकाशन की तारीख़ में एक वर्ष की अवधि के लिए निलंबित रहेगा और उक्त तारीख़ में पूर्व उनके अधीन प्रांड्भूत या उद्भूत होने वाले सभी अधिकार, विश्रोपाधिकार, बाध्यताएं त'।। दायित्य उक्त अवधिपर्यन्त निलंबित रहेंगें;

और केन्द्रीय सरकार का रामाधान हो गया हैं कि उक्त आदेश की अवधि को 14 दिसम्बर, 1979 तक और बढ़ा दिया जाए।

अतः. अब, केन्द्रीय सरकार, उत्थांग (त्रिकास ऑर विभियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के साथ पीठत उपधारा (1) इवारा प्रदृत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए, उक्त आदेश की अविधि को 14 विसम्बर 1979 तक की अविधि के लिए और बढ़ाती हैं।

[सं. फा. 4/26/76-सी.यू.सी.]

रमेश नाथ चोपड़ा, मंयुक्त सचिय

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 15th January, 1979

S.O. 28(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 21(E) dated the 16th January, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements awards, standing orders or other instruments entered into before the 15th December. 1977 and in force immediately before the date of publication of the said Order in the Official Gazette, and relating to banks and financial institutions to which the industrial undertaking known as Bengal Chemical and Pharmaceutical Works Limited, Calcutta, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year from the date of publication of the said Order and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 14th December, 1979;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extend the duration of the said Order by a further period upto the 14th December, 1979.

[File No. 4/26/76-CUC] R. N. CHOPRA, Jt. Secv.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064 AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1979